एक नजर

हजारों महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर की सहभागिता



अम्बेडकरनगर। नया गांव स्थित सनातन वैदिक आश्रम देवभूमि में शनिवार को श्री हनुमत यज्ञ एवं श्रीराम कथा के शुभारंभ पर भव्य कलश यात्रा निकाली गई। श्री श्री 1008 श्रीनिवास दास वेदांती महाराज के सानिध्य में निकली करीब तीन किलोमीटर लंबी यात्रा में हजारों श्रद्धालु शामिल हुए। सिर पर मंगल कलश धारण किए महिलाओं की लंबी कतार घोड़ों और आकर्षक रथों की साज.सज्जा तथा बैंडबाजे और डीजे की भक्तिमय धुनों के बीच पूरा क्षेत्र जय श्रीराम के उद्घोष से गूंज उठा। जगह.जगह लोगों ने पुष्पवर्षा कर यात्रा का स्वागत किया।आश्रम से शुरू हुई कलश यात्रा विभिन्न मार्गों से होते हुए गोवर्धनपुर स्थित दुर्गा मंदिर के निकट सरयू घाट पहुंची। यहां वैदिक मंत्रोच्चार केबीच पूजन.अर्चन के बाद श्रद्धालुओं ने सरयू जल कलशों में धारण किया। इसके बाद यात्रा वापस आश्रम पहुंची जहां विधि.विधान से कलशों को यज्ञ मंडप में स्थापित किया गया। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश प्रकोष्ठ के संकुल सह संयोजक डॉण् मिथिलेश त्रिपाठी और भाजपा जिला महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष डॉण् कुंवारी दीपिका शाह भी मौजूद रहीं। महाराज ने अपने आशीर्वचन में धर्म संस्कार सामाजिक समरसता और सनातन परंपराओं के संरक्षण पर जोर दिया।इसके बाद काशी से आए विद्वान आचार्यों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजन.अर्चन और अरणि मंथन की प्रक्रिया संपन्न कराई। कार्यक्रम में भाजपा जिला मंत्री अभिषेक निषाद जिला उपाध्यक्ष पंकज वर्मा व्यापार मंडल अध्यक्ष माया अग्रहरिए प्रदीप तिवारी अंकुर चौबे सनी गोस्वामी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक और श्रद्धालु मौजूद रहे। आयोजन के दौरान जहांगीरगंज थानाध्यक्ष रितेश पांडेय पुलिस बल के साथ सुरक्षा व्यवस्था में मुस्तैद रहे। कार्यक्रम प्रभारी रमेश शुक्ला एवं अध्यक्ष तारकेश्वर यादव ने सभी अतिथियों श्रद्धालुओं और सहयोगियों के प्रति आभार जताया।

गोशालाओं में मिलीं खामियां, ग्राम विकास अधिकारी निलंबित



गोण्डा। गोवंश आश्रय स्थलों की बदहाल व्यवस्थाओं और लापरवाही पर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन के निर्देश पर मुख्य विकास अधिकारी दयानंद प्रसाद, जिला विकास अधिकारी आदित्य तिवारी और उपायुक्त (श्रम रोजगार) ने कटरा बाजार विकासखंड की चार ग्राम पंचायतों में संचालित गोशालाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान साफ-सफाई समेत कई व्यवस्थाओं में खामियां मिलने पर ग्राम विकास अधिकारी विवेकानंद को निलंबित कर दिया गया। वहीं, खंड विकास अधिकारी समेत तीन अधिकारियों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की संस्तुति की गई है।मुख्य विकास अधिकारी और अन्य अधिकारियों ने खंड विकास अधिकारी कटरा बाजार के साथ ग्राम पंचायत गंडाही, नकहा, नदावा और भरथा इटहिया स्थित गोवंश आश्रय स्थलों का निरीक्षण किया। इसका उद्देश्य गोवंश के रख-रखाव, चारा-पानी, स्वच्छता और अन्य मूलभूत सुविधाओं की वास्तविक स्थिति का जायजा लेना था।निरीक्षण के दौरान ग्राम पंचायत गंडाही की गोशाला में 128, नदावा में 95 और नकहा में 114 गोवंश संरक्षित मिले। इस प्रकार तीन गोशालाओं में कुल 337 गोवंश मिले। वहीं, ग्राम पंचायत भरथा इटहिया की गोशाला में एक भी गोवंश संरक्षित नहीं पाया गया।निरीक्षण में गोशाला परिसरों की साफ-सफाई संतोषजनक नहीं मिली। इस पर अधिकारियों ने नाराजगी जताते हुए संबंधित कर्मचारियों को तत्काल व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिए। आगामी शीत ऋतु को देखते हुए गोवंश को शीतलहर से बचाने के लिए सुरक्षित आश्रय, पर्याप्त संसाधन और अन्य जरूरी इंतजाम समय से पूरे करने को कहा गया।

द्वितीय दिवस पर परीक्षित और कलियुग के संवाद ने श्रोताओं को किया मंत्रमुग्ध



बहराइच। धर्मनगरी बहराइच इन दिनों भक्ति के रंग में रंगी हुई है। इंदिरा स्टेडियम के पास स्थित स्नेह उत्सव पैलेस में चल रहे श्रीमद्भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ रहा है। जगद्गुरु 108 श्री प्रियदर्शी जी महाराज द्वारा रचित अमृतपूर्ण ग्रंथ श्री कृष्ण चरित मानस (रसात्मक महाकाव्य) के माध्यम से हो रही इस दिव्य कथा का आयोजन 13 नवंबर से 19 नवंबर 2026 तक किया जा रहा है। कथा प्रतिदिन सायं 5 बजे से हरि इच्छा तक चल रही है।कथा व्यास के रूप में ब्रज रस रसिक श्री लीला रसिक जी महाराज एवं ब्रज रस रसिक डॉ. श्री कृष्ण किंकर जी महाराज, श्रीधाम वृन्दावन पधारे हैं। दोनों महाराज जी अपने मधुर वाणी और भावपूर्ण शैली से भगवान श्रीकृष्ण की दिव्य लीलाओं, ब्रज की महिमा एवं भक्ति-प्रेम के प्रसंगों का वर्णन कर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर रहे हैं।**द्वितीय दिवस पर सुनाया गया परीक्षित का प्रसंग**-कथा के द्वितीय दिवस पर डॉ. श्री कृष्ण किंकर जी महाराज ने श्रीमद्भागवत जी की रचना कैसे हुई, इसका विस्तारपूर्वक वर्णन किया। उन्होंने कहा कि भागवत केवल ग्रंथ नहीं है, यह भगवान का साक्षात स्वरूप है। इसके श्रवण मात्र से जीव का कल्याण हो जाता है। किस प्रकार कलियुग ने राजा परीक्षित से अपने रहने के लिए स्थान मांगा और राजा परीक्षित ने उसे धर्म के साथ रहने की अनुमति दी।

सुहागिन महिलाओं ने ढलते सूर्य को अर्घ्य देकर की सुख समृद्धि की कामना

श्रावस्ती। लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा को लेकर शहर के प्रसिद्ध सर्वामाई मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। रविवार शाम सुहागिन महिलाओं और व्रतियों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर अस्ताचलगामी (ढलते) सूर्य को पहला अर्घ्य अर्पित किया और परिवार की सुख-समृद्धि व संतान की दीर्घायु की कामना की। दोपहर बाद से ही मंदिर परिसर और सरोवर घाट की ओर जाने वाले रास्तों पर छठ व्रतियों और उनके परिजनों का तांता लगना शुरू हो गया था। सिर पर पूजा के फल-फूलऔर ठेकुआ से भरी टोकरी (दउरा) लिए पुरुष और पारंपरिक परिधानों में सजीं सुहागिन महिलाएं छठ मैया के पारंपरिक गीत गाती हुईं घाट तक पहुंचीं। पूरे मंदिर परिसर को आकर्षक विद्युत झालरों और फूलों से सजाया गया था, जिससे वातावरण पूरी तरह भक्तमय हो गया। सूर्यास्त के समय व्रतियों ने कमर भर पानी में खड़े होकर भगवान भास्कर की आराधना की। पुरोहितों के मंत्रोच्चार और शंखनाद के बीच बांस के सूप में रखे ऋतु फल, गन्ना, नारियल और विशेष प्रसाद (ठेकुआ) के साथ दूध और जल से सूर्य देव को अर्घ्य दिया गया। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए मंदिर प्रबंधन समिति और स्थानीय प्रशासन की ओर से विशेष व्यवस्था की गई थी। घाटों पर स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा गया था और प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था की गई थी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन और पुलिस विभाग की ओर से पुख्ता इंतजाम किए गए थे। पर्व से पूर्व ही जिलाधिकारी अन्नपूर्णा गर्ग और पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी ने सर्वामाई मन्दिर का निरीक्षण कर साफ-सफाई, बैरिकेडिंग, प्रकाश और पेयजल की व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने के निर्देश दिए थे। छठ महापर्व का समापन सोमवार (16 नवंबर) की सुबह उदयीमान (उगते) सूर्य को अर्घ्य देने के साथ होगा। इसके पश्चात व्रती महिलाएं पारण कर अपना 36 घंटे का कठिन निर्जला व्रत खोलेंगी और श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरित किया जाएगा।

पटपरगंज घाट पर उमड़ा आस्था का जनसैलाब, सूर्यदेव को अर्घ्य देकर मांगी खुशहाली



कटरा शिवदयालगंज गोण्डा। लोक आस्था और सूर्य उपासना के महापर्व छठ पूजा पर नवाबगंज के पटपरगंज घाट पर श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला। घाट पर सुबह से ही व्रती महिलाओं और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। पारंपरिक छठ गीतों, गन्ने के मंडपों और दीपों की जगमगाती रोशनी के बीच व्रती महिलाओं ने जल में खड़े होकर विधि-विधान से भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित किया। इस दौरान परिवार की सुख-समृद्धि, आरोग्य और खुशहाली की कामना की गई।छठ महापर्व को लेकर पटपरगंज घाट को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। नगर पालिका परिषद नवाबगंज और नगर विकास विभाग की ओर से श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा के लिए व्यापक इंतजाम किए गए। घाट परिसर में विशेष साफ-सफाई, सुरक्षित बैरिकेडिंग, गुब्बारों और रंग-बिरंगी झालरों से सजावट के साथ पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था की गई थी।कार्यक्रम के दौरान पूर्व मंत्री रमापति शास्त्री और नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. सत्येंद्र कुमार सिंह पटपरगंज घाट पहुंचे।

उन्होंने व्यवस्थाओं का जायजा लेने के साथ श्रद्धालुओं को छठ महापर्व की शुभकामनाएं दीं। अधिशासी अधिकारी सर्वेश शुक्ला ने स्वयं मौके पर मौजूद रहकर साफ-सफाई, प्रकाश और सुरक्षा व्यवस्थाओं की निगरानी की।आयोजन को सफल बनाने में रवि श्रीवास्तव, रवि सिंह, देवेश मिश्रा, मंथन गुप्ता, सोनू गुप्ता सहित नगर पालिका के सुरेश बाबू, अमित श्रीवास्तव एवं अन्य कर्मचारियों और स्थानीय गणमान्य नागरिकों का विशेष सहयोग रहा।घाट पर स्थानीय प्रशासन भी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर मुस्तैद रहा। बेहतर इंतजामों के बीच श्रद्धालुओं ने हर्षोल्लास, श्रद्धा और शांतिपूर्ण वातावरण में छठ महापर्व मनाया। घाट पर देर तक भक्ति और लोक आस्था का उल्लास छाया रहा।

छठ पर्व पर तमसा तट से श्रवण धाम तक उमड़ा आस्था का जनसैलाब



अम्बेडकरनगर। लोक आस्था के महापर्व छठ पर रविवार को जिलेभर में श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला। नगर के तमसा तटए श्रवण धाम सहित पुराना तहसील तिराहा स्थित छठ पूजा स्थलों पर श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। व्रती महिलाओं ने पारंपरिक विधि.विधान से पूजा.अर्चना की तैयारियां पूरी कीं। शाम होते ही घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ने लगी। रंग.बिरंगे परिधानों में सजे व्रती परिवार के सदस्यों के साथ पूजा सामग्री और फल.फूल से भरे सूप लेकर घाटों पर पहुंचे। चारों ओर छठी मइया के गीतों और भक्ति संगीत से वातावरण भक्तिमय हो उठा।घाटों पर व्रती महिलाओं ने अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देकर परिवार की सुख.समृद्धि संतान की दीर्घायु और खुशहाली की कामना की। इस दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक बड़ी संख्या में लोग इस महापर्व के साक्षी बने। वहींए घाटों और आसपास के पूजा स्थलों को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। पूरे आयोजन में लोक परंपराओं और धार्मिक आस्था का संगम दिखाई दिया।छठ पर्व को शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन भी पूरी तरह सतर्क रहा। प्रमुख घाटों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी।

प्रशासनिक अधिकारियों की निगरानी में सुरक्षा यातायात नियंत्रण और श्रद्धालुओं की सुविधाओं का ध्यान रखा गया। तमसा तट से लेकर श्रवण धाम तक आस्था और उल्लास के बीच संपन्न हो रहे पर्व ने जिले के माहौल को पूरी तरह भक्तिमय बना दिया।

गिरंट क्षेत्र में अधिकांश सीसीटीवी कैमरा मात्र शो पीस

गिरन्ट बाजार श्रावस्ती। थाना हरदत्तनगर गिरन्ट क्षेत्र में अमन चैन , शाति व्यवस्था एवं कानून व्यवस्था की तरफ पुलिस प्रशासन द्वारा समुचित ध्यान न दिये जाने के कारण भारत नेपाल सीमा से जुडे श्रावस्ती जनपद अन्तर्गत थाना हरदत्त नगर गिरन्ट परिक्षेत्र में सफेद पोश माफिया तस्कर अपराधी एवं राष्ट्र विरोधी अराजक तत्व सक्रिय होकर शासन एवं प्रशासन को खुली चुनौती दे रहे। ऐसी जन चर्चाएं है। जनता समस्याओं से जूझ रही है अधिकारी बेखबर हैं । गौरतलब हो कि थाना हरदत्त नगर गिरन्ट क्षेत्र में अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु धन्नीपुरवा बुधबाजार चौराहे पर पूर्व रहे थाना अध्यक्ष उमेश सिंह गिरन्ट एक सीसीटीवी कैमरा लगवाया गया था जो इन दिनों मात्र शो पीस बंद पड़ा है।जो क्षेत्रीय पुलिस प्रशासन द्वारा ध्यान न दिये जाने के कारण विगत कई महीनों से खराब बदहाल अवस्था में पडा खम्भें से नीचे की तरफ पुलिस प्रशासन व्यवस्था को चिढ़ा रहा है।

आठ आसान स्टेप्स में 15 मिनट में करें पूरा

कैसरगंज, बहराइच। विकास खण्ड जरवल अंतर्गत बेसिक शिक्षा परिषदीय विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों की ऑनलाइन वर्चुअल बैठक में नवागत बीईओ ने आज से शुरू हो रही स्वगणना में उत्साहपूर्वक प्रतिभागिता सुनिश्चित कर विकास खण्ड के शत प्रतिशत विद्यालयों के शिक्षको, अनुदेशकों व शिक्षामित्रों को अपनी परिवार जनों समेत स्वगणना पूरी करने के सम्बंध में आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये। नवागत बीईओ पुष्पेंद्र जैन ने प्रधानाध्यापकों के साथ आयोजित गूगल मीट में बताया कि 16 नवम्बर से 30 नवम्बर तक ऑनलाइन स्वगणना में जनगणना कार्मिको की स्वयं की प्रविष्टि अनिवार्य है शिक्षकों, शिक्षा मित्रों, अनुदेशकों और विभागीय कार्मिकों को निर्धारित-सीमा के भीतर पोर्टल पर अपनी परिवार की स्व-गणना पूरी करने का लक्ष्य दिया गया है।

पेशी के लिए युवक तीन दिन से लापता

श्रावस्ती । थाना सोनवा क्षेत्र के नासिरगंज से भिनगा तहसील में पेशी के लिए निकले दो युवक लापता हो गए। नई अपाचे मोटर साइकिल भी गायब है। तीन दिन बीतने के बाद भी युवकों का कोई सुराग नहीं मिला है। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने गुम शुदगी का केस दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

लाखों खर्च के बाद भी दो साल से बंद सामुदायिक शौचालय, मंडी गेट पर गंदगी का अंबार



(मोहम्मद आलम/शुकदेव चौरसिया)

तुलसीपुर- बलरामपुर। स्वच्छ भारत मिशन का सपना आखिर कैसे साकार होगा, जब लाखों रुपये खर्च कर बनाए गए सामुदायिक शौचालय ही दो वर्षों से बंद पड़े हों। नवीन कृषि उत्पादन मंडी समिति तुलसीपुर के मुख्य गेट के बगल में आदर्श नगर पंचायत द्वारा निर्मित दो सामुदायिक शौचालय आज तक आम लोगों के उपयोग में नहीं आ सके हैं। रखरखाव और बुनियादी सुविधाओं के अभाव में ये शौचालय महज शोपीस बनकर रह गए हैं। वहीं इनके सामने जमा गंदे पानी और फैली गंदगी ने किसानों, व्यापारियों तथा राहगीरों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। मंडी गेट के पश्चिमी हिस्से में करीब दो फीट की दूरी पर बने दोनों शौचालयों में एक को आकर्षक टाइल्स से सजाया गया है, जबकि दूसरा सामान्य निर्माण वाला है। बाहर से देखने पर दोनों भवन ठीक नजर आते हैं, लेकिन इनके दरवाजों पर लंबे समय से ताले लटक रहे हैं। दीवारों पर धूल जम चुकी है और आसपास झाड़-झंखाड़ उग आए हैं। लाखों रुपये खर्च होने के बावजूद इनका लाभ आम जनता को नहीं मिल पा रहा है। शौचालयों के ठीक सामने बने बड़े-बड़े गड्ढों में बरसात का पानी महीनों से जमा है। पानी सड़कर काला-हरा हो चुका है। उसमें कीड़े-मकोड़े पनप रहे हैं और आसपास भीषण दुर्गंध फैली हुई है। स्थिति यह है कि मंडी में आने-जाने वाले लोगों को नाक पर रूमाल रखकर गुजरना पड़ता है। बरसात के दौरान गड्ढों का गंदा पानी सड़क तक फैल जाता है, जिससे कीचड़ और जलभराव की समस्या पैदा हो जाती है। मच्छरों के पनपने से संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बना हुआ है। विडंबना यह है कि शौचालयों की छत पर दिनभर बंदरों का जमावड़ा रहता है। बंदरों द्वारा आसपास गंदगी फैलाए जाने से परेशानी और बढ़ जाती है। मंडी में आने वाले किसानों का कहना है कि जब सार्वजनिक सुविधा के नाम पर निर्माण कराया गया तो उसका संचालन सुनिश्चित क्यों नहीं किया गया? दूर-दराज से आने वाले किसानों को घंटों मंडी में रहना पड़ता है। ऐसे में महिलाओं, बुजुर्गों और व्यापारियों को शौचालय बंद होने के कारण सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ती है।

जिम्मेदारी को लेकर विभागों में जवाबदेही का सवालनगर पंचायत प्रशासन का कहना है कि दोनों सामुदायिक शौचालयों का निर्माण कराने के बाद उन्हें मंडी समिति विभाग को हस्तांतरित कर दिया गया था। ऐसे में इनके संचालन और रखरखाव की जिम्मेदारी मंडी समिति की है, नगर पंचायत की नहीं।वहीं इस संबंध में अरविंद कुमार यादव ने बताया कि उन्हें यहां आए अभी कुछ ही महीने हुए हैं। ओवरब्रिज निर्माण के चलते पानी की सप्लाई करने वाली पाइप क्षतिग्रस्त हो गई है। पानी उपलब्ध नहीं होने के कारण सामुदायिक शौचालय बंद पड़े हैं।

पानी की व्यवस्था बहाल होते ही इनका नियमित संचालन शुरू करा दिया जाएगा।अब सवाल यह है कि दो वर्षों से बंद पड़े इन शौचालयों को चालू कराने और सामने जमा गंदे पानी की निकासी कराने की जिम्मेदारी आखिर कौन निभाएगा? मंडी में आने वाले किसानों, व्यापारियों और स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से दोनों शौचालयों को तत्काल चालू कराने, जलभराव खत्म करने, गड्ढों को भरवाने तथा नियमित साफ-सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

लोक आस्था के महापर्व छठ पर उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देकर व्रतियों ने की परिवार की सुख-समृद्धि की कामना



तुलसीपुर, बलरामपुर। सूर्य उपासना, अटूट श्रद्धा, पवित्रता और लोक आस्था का महापर्व छठ नगर में पूरे भक्तिभाव एवं उल्लास के साथ मनाया गया। चार दिवसीय इस महापर्व के अवसर पर व्रती महिलाओं एवं पुरुषों ने निर्जला उपवास रखकर भगवान सूर्य और छठी मैया की आराधना की। संतान की दीर्घायु, परिवार की सुख-समृद्धि, आरोग्यता और खुशहाल जीवन की कामना के साथ श्रद्धालुओं ने अस्ताचलगामी सूर्य को विधि-विधान से प्रथम अर्घ्य अर्पित किया।छठ पर्व को लेकर नगर के गंगा प्रसाद पोखरा, पुरानी बाजार पोखरा तथा देवीपाटन पोखरा सहित विभिन्न जलाशयों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। छठ घाटों पर आस्था और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। पारंपरिक वेशभूषा में सजी व्रती महिलाएं सूप और दउरा में फल, ठेकुआ, नारियल, गन्ना तथा अन्य पूजन सामग्री सजाकर छठी मैया की आराधना करती नजर आईं। घाटों पर गूंजते छठी मैया के पारंपरिक गीतों ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया।छठ महापर्व में अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने का विशेष धार्मिक महत्व है। इसके पश्चात अगले दिन प्रात:काल उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर व्रती अपने कठिन व्रत का पारण करते हैं। मान्यता है कि भगवान सूर्य की उपासना से जीवन में सुख, शांति, आरोग्यता और समृद्धि का आशीर्वाद प्राप्त होता है। यह पर्व प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, अनुशासन, त्याग, तपस्या और परिवार के कल्याण की भावना का भी संदेश देता है।नगर पंचायत तुलसीपुर की ओर से छठ पर्व को लेकर पोखरों और घाटों को विशेष रूप से सजाया-संवारा गया था। नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कहकशां फिरोज के नेतृत्व में घाटों की साफ-सफाई, स्वच्छता और श्रद्धालुओं की सुविधा का विशेष ध्यान रखा गया। अध्यक्ष के पुत्र अदनान फिरोज भी सभासदों के साथ स्वयं उपस्थित रहकर व्यवस्थाओं का जायजा लेते रहे। नगर के विभिन्न पोखरों पर की गई सजावट और स्वच्छता व्यवस्था ने श्रद्धालुओं को आकर्षित किया।इस पावन अवसर पर क्षेत्रीय भाजपा विधायक कैलाश नाथ शुक्ला, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य विष्णुदेव गुप्ता, भाजपा मंडल अध्यक्ष विश्राम सिंह, रिंकू वर्मा, अमित प्रभाकर, जतिन सहित अन्य गणमान्य लोग भी छठ घाटों पर पहुंचे। उन्होंने उपस्थित श्रद्धालुओं, विशेषकर व्रती महिलाओं के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए उनके कठिन तप और अटूट श्रद्धा की सराहना की। साथ ही छठी मैया से सभी व्रतियों का व्रत सकुशल संपन्न कराने तथा उनके परिवारों को सुख, शांति और समृद्धि प्रदान करने की प्रार्थना की।छठ पर्व के दौरान नगर में धार्मिक आस्था, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक एकता की अनुपम छटा देखने को मिली। जाति, वर्ग और समुदाय से ऊपर उठकर लोगों ने एक-दूसरे के पर्व में सहभागिता निभाई। चारों ओर छठी मैया के जयकारों और भक्ति गीतों के बीच पूरा नगर सूर्य उपासना के रंग में रंगा नजर आया।

एक नजर

सर्विस मतदाताओं की निर्वाचक नामावली का पुनरीक्षण 17 नवंबर से

गोण्डा। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर अर्हता तिथि एक जनवरी 2027 के आधार पर सर्विस मतदाताओं की निर्वाचक नामावली के अंतिम भाग का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 17 नवंबर से शुरू होगा। इसके लिए निर्वाचन विभाग ने कार्यक्रम जारी कर दिया है। पुनरीक्षण के तहत 16 दिसंबर तक आवेदन प्राप्त किए जाएंगे, जबकि अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन चार जनवरी 2027 को होगा।मुख्य निर्वाचन अधिकारी की ओर से इस संबंध में सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, 17 नवंबर को सर्विस मतदाताओं से संबंधित निर्वाचक नामावली के अंतिम भाग का प्रारूप प्रकाशित किया जाएगा। इसके बाद 17 नवंबर से 16 दिसंबर तक संबंधित रिकॉर्ड अधिकारियों, कमांडिंग अधिकारियों और अन्य सक्षम प्राधिकारियों के माध्यम से निर्धारित प्रारूप में आवेदन प्राप्त किए जाएंगे।प्राप्त आवेदनों का सत्यापन और स्कैनिंग करने के बाद उनकी एक्सएमएल फाइल तैयार की जाएगी। हस्ताक्षरित एवं सत्यापित प्रपत्रों के साथ यह फाइल संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों (ईआरओ) को उपलब्ध कराई जाएगी। ईआरओ प्राप्त प्रपत्रों और एक्सएमएल फाइलों की जांच कर नियमानुसार उनका निस्तारण करेंगे। अपूर्ण प्रपत्रों अथवा त्रुटिपूर्ण एक्सएमएल फाइलों को सुधार के लिए संबंधित अधिकारियों को वापस भेजा जाएगा।निर्वाचन आयोग के निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, पुनरीक्षण प्रक्रिया पूरी होने के बाद चार जनवरी 2027 को निर्वाचक नामावली के अंतिम भाग का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा।

गोशालाओं में मिलीं खामियां, ग्राम विकास अधिकारी निलंबित

गोण्डा। गोवंश आश्रय स्थलों की बदहाल व्यवस्थाओं और लापरवाही पर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन के निर्देश पर मुख्य विकास अधिकारी दयानंद प्रसाद, जिला विकास अधिकारी आदित्य तिवारी और उपायुक्त (श्रम रोजगार) ने कटरा बाजार विकासखंड की चार ग्राम पंचायतों में संचालित गोशालाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान साफ-सफाई समेत कई व्यवस्थाओं में खामियां मिलने पर ग्राम विकास अधिकारी विवेकानंद को निलंबित कर दिया गया। वहीं, खंड विकास अधिकारी समेत तीन अधिकारियों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की संस्तुति की गई है।मुख्य विकास अधिकारी और अन्य अधिकारियों ने खंड विकास अधिकारी कटरा बाजार के साथ ग्राम पंचायत गंडाही, नकहा, नदावा और भरथा इटहिया स्थित गोवंश आश्रय स्थलों का निरीक्षण किया। इसका उद्देश्य गोवंश के रख-रखाव, चारा-पानी, स्वच्छता और अन्य मूलभूत सुविधाओं की वास्तविक स्थिति का जायजा लेना था।निरीक्षण के दौरान ग्राम पंचायत गंडाही की गोशाला में 128, नदावा में 95 और नकहा में 114 गोवंश संरक्षित मिले। इस प्रकार तीन गोशालाओं में कुल 337 गोवंश मिले। वहीं, ग्राम पंचायत भरथा इटहिया की गोशाला में एक भी गोवंश संरक्षित नहीं पाया गया।निरीक्षण में गोशाला परिसरों की साफ-सफाई संतोषजनक नहीं मिली। इस पर अधिकारियों ने नाराजगी जताते हुए संबंधित कर्मचारियों को तत्काल व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिए। आगामी शीत ऋतु को देखते हुए गोवंश को शीतलहर से बचाने के लिए सुरक्षित आश्रय, पर्याप्त संसाधन और अन्य जरूरी इंतजाम समय से पूरे करने को कहा गया।

मड़हे में पाइप से गमछे के सहारे लटका मिला युवक का शव

गोण्डा। नवाबगंज क्षेत्र के तुलसीपुर माझा गांव के पूरे रामप्रसाद में रविवार सुबह एक युवक का शव मड़हे के टीनशेड में लगे पाइप से गमछे के सहारे लटका मिला। शव देखकर गांव में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।गांव निवासी मनीष कुमार के मुताबिक, करीब दस दिन पहले एक युवक उनके घर आया था। वह मानसिक रूप से अस्वस्थ था और अपना नाम सोनू बताता था। उसकी उम्र करीब 42 वर्ष थी। रविवार सुबह मनीष सोकर उठे और पशुओं के लिए भूसा निकालने मड़हे की ओर गए तो टीनशेड में लगे पाइप से गमछे के सहारे युवक का शव लटका देखा।मनीष ने बताया कि युवक के घर और परिवार के बारे में किसी को कोई जानकारी नहीं थी। वह कई वर्षों से गांव में ही रह रहा था। प्रभारी निरीक्षक मृत्युंजय सिंह ने बताया कि सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक जानकारी में मृतक के मानसिक रूप से अस्वस्थ होने की बात सामने आई है।

नियमितीकरण और स्थानांतरण के लिए आंदोलन की तैयारी में शिक्षामित्र

गोण्डा। नियमितीकरण और स्थानांतरण संबंधी समस्याओं को लेकर शिक्षामित्रों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षामित्र संघ ने मांगों के समर्थन में आंदोलन की तैयारी शुरू कर दी है। संगठन ने चेतावनी दी है कि समस्याओं का समाधान होने तक संघर्ष जारी रहेगा।रविवार को गांधी पार्क में जिलाध्यक्ष अवधेशमणि मिश्रा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में शिक्षामित्रों की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा हुई। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष ने कहा कि प्रदेशभर के शिक्षामित्र नेता जल्द ही लखनऊ में एकत्रित होकर नियमितीकरण की मांग को लेकर आंदोलन की रणनीति तैयार करेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार लगातार शिक्षामित्रों की मांगों की अनदेखी कर रही है।उन्होंने कहा कि वर्ष 2025 में शासन की ओर से शिक्षामित्रों के स्थानांतरण के संबंध में शासनादेश जारी किया गया था, लेकिन जिले में अभी तक उसका अनुपालन नहीं कराया जा रहा है। इसके चलते शिक्षामित्रों को प्रतिदिन 80 से 100 किलोमीटर तक की दूरी तय कर विद्यालय पहुंचना पड़ रहा है। इससे उन्हें आर्थिक और शारीरिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

छठ पूजा पर उमड़ा जनसैलाब डूबते सूरज को अर्घ देकर महिलाओं ने की पूजा



बहराइच। पूर्वांचल का प्रमुख पर्व डालाछठ आज स्थानीय सहित आस पास के क्षेत्रो में अस्त होते हुऐ सूर्य को अर्ध देकर सदा सुहागन रहने के साथ साथ अपने पुत्रो को दीर्ध आयू होने एवं परिवार की सुखसर्मिधि की कामना की गयी। स्थानीय सरयू के तट पर आज रविवार सूर्यस्त होने से पूर्व हजारो की संख्याओं ने महिलाओं ने छठ माता के गीत गाते हुऐ सरयू नहर के तट पर पहुंची तथा पुरूष अपने सर पर बांसो से बनी टोकरी को रखकर फ्ल मिष्ठान आदि लेकर वहां पहुंचे तट पर मेला जैसा दृष्य का माहौल था। महिलाओं ने अपने हाथो में सुतैली लेकर उसमें फ्ल, मिष्ठान तथा खस्ता, फेकवा आदि लेकर घुटने भर पानी में खड़ी होकर अस्त होते हुऐ सूर्य को अर्घ दिया। डालाछठ पूर्वाचल का प्रमुख पर्व है परन्तु धीरे धीरे यह पर्व तराई क्षेत्रो में भी इस पर्व का प्रवचलन हो गया जिससे यह पर्व इन क्षेत्रो में भी यह पर्व मनाये जाने लगा। इस पर्व के पीछे महिलाओं को काफी उत्सुक देखा गया। यह पर्व पुत्र व पति को लम्बी उम्र मिलने के साथ साथ घर में सुख सर्मिधि हेतु महिलाऐ पूरे दिन निर्जल वृत रखकर अस्त होते हुऐ सूर्य को अर्ध देती है। पूरी रात घर में मंगल गायन भी किया जाता है। घरो में लोगो की मान्यता पूर्ण होने पर कोशी आदि भरने का भी कार्य होता है। दूसरे दिन पुन: सूर्य उदय होने के पूर्व महिलाऐ उठते हुऐ सूर्य की उपासने के बाद सूर्य को अर्ध देनें के बाद वृत को समाप्त करती है। इस पर्व के पीछें मान्यता है कि माता कुन्ती ने इस छठ के वृत को रखा था जिस पर सूर्य भगवान ने कुन्ती को कण नामक पुत्र दिया था जो सूर्य के समान तेजस्वी एवं बलवान था। आज रविवार को क्षेत्र की सैकड़ों महिलाओं व पुरुषों ने फ्ल फूलों से सजी टोकरी को लेकर घाट पोखरा व नदी किनारे पहुंच देर शाम